#हरबच्चासुनेगा

NATIONAL HEARING WEEK

3rd-9th MARCH 2025

बच्चों में स्वस्थ सुनने की क्षमता को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण जानकारी

#हरबच्चासुनेगा

भारत में हर साल एक लाख से अधिक बच्चे गंभीर या पूरी तरह से सुनने में असमर्थता (गहरी सुनने की हानि) के साथ जन्म लेते हैं।

उनकी दुनिया को सुनें: समय पर पहचान, समय पर कार्यवाही

आइए यह सुनिश्चित करें कि कोई भी बच्चा सुनने से वंचित न रहे।

#हरबच्चासुनेगा #राष्ट्रीयश्रवणसप्ताह

बच्चों में सुनने की क्षमता की हानि और उसका प्रभाव:

सुनने की क्षमता हमें दुनिया से जोड़ती है, और इसे सुरक्षित रखना बेहद ज़रूरी है। भारत में लगभग 6.3% करोड़ लोग सुनने की गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं, जो कुल जनसंख्या का 6.3% है। अनुमान के मुताबिक, हर 1000 में से 4 बच्चे गंभीर से लेकर पूरी तरह सुनने की क्षमता खोने तक की समस्या से प्रभावित होते हैं। इसके अलावा, 1 लाख से अधिक स्कूली बच्चे सुनने की किसी न किसी परेशानी का सामना कर रहे हैं, जो अस्थायी या स्थायी हो सकती है।

तीन साल से कम उम्र के बच्चों में सुनने की समस्या अगर समय रहते नहीं पहचानी गई, तो यह बोलचाल, सीखने, संज्ञानात्मक विकास और सामाजिक संपर्क पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। बिना इलाज के, बच्चा सही ढंग से बोलने और भाषा को समझने की क्षमता विकसित नहीं कर पाता, जिससे उसकी शिक्षा और सामाजिक जीवन पर गहरा असर पड़ सकता है। समय पर इलाज न मिलने से यह समस्या बच्चे को समाज से अलग-थलग भी कर सकती है।

बच्चों में सुनने की हानि के प्रकार:

1. जन्मजात (Congenital) और 2. अर्जित (Acquired)

जन्मजात सुनने की हानि:
यह समस्या जन्म से पहले या जन्म के तुरंत बाद मौजूद होती है।

अर्जित सुनने की हानि:
यह जन्म के बाद किसी चिकित्सीय, पर्यावरणीय या जीवनशैली संबंधी कारणों से विकसित होती है।

जन्मजात सुनने की हानि के कारण:

१. **आनुवंशिक कारण:** माता-पिता से आनुवंशिक रूप से मिलने वाली समस्या, भले ही परिवार में पहले किसी को सुनने की परेशानी न रही हो।

२. **गर्भावस्था के दौरान संक्रमण:** रूबेला, साइटोमेगालोवायरस या टॉक्सोप्लाज्मोसिस जैसे संक्रमण।

३. **जन्म की जटिलताएं:** समय से पहले जन्म, जन्म के समय कम वज़न, या ऑक्सीजन की कमी।

४. **माँ का स्वास्थ्य:** गर्भावस्था के दौरान मधुमेह, कुछ दवाओं का सेवन, शराब या नशीले पदार्थों का उपयोग।

अर्जित सुनने की हानि के कारण:

१. **शोर-जनित हानि:** अत्यधिक तेज़ आवाजें, जैसे मशीन, संगीत, पटाख़े या विस्फोट के लंबे समय तक संपर्क में रहने से सुनने की क्षमता प्रभावित हो सकती है।.

२. **संक्रमण:** ओटाइटिस मीडिया (मध्य कान का संक्रमण), मेनिन्जाइटिस, खसरा, मम्प्स और साइटोमेगालोवायरस जैसे वायरस से होने वाली बीमारियां।

३. **ओटोटॉक्सिक दवाएं:** कुछ दवाएं आंतरिक कान या श्रवण तंत्रिका को नुकसान पहूँचाकर स्थायी सुनने की हानि का कारण बन सकती हैं।

४. **सिर या कान में चोट:** सिर या कान पर गंभीर चोट लगने से सुनने की क्षमता प्रभावित हो सकती है।

५. **अन्य रोग और चिकित्सीय स्थितियां:** मिनिएर रोग, ऑटोइम्यून कान संबंधी बीमारियां, मधुमेह और कुछ प्रकार के ट्यूमर।

६. **रुकावटें या अवरोध:** कान नली में कान के मैल का जमा होना।

बच्चों में सुनने की हानि के लक्षणों की पहचान कैसे करें?

शिशु (0-1 वर्ष)

- तेज़ आवाज़ों पर प्रतिक्रिया नहीं करते।
- 6 महीने की उम्र तक आपकी आवाज़ या अन्य आवाज़ों का जवाब नहीं देते।
- 9-12 महीने की उम्र तक बड़बड़ाना या आवाज़ों की नकल नहीं करते।

छोटे बच्चें (1-3 वर्ष)

- बोलने में देरी होती है या शब्द स्पष्ट नहीं होते।
- सरल निर्देशों का पालन नहीं कर पाते।
- परिचित आवाज़ों या आवाज़ों को पहचानने में असमर्थ होते हैं।

प्रारंभिक विद्यालय और स्कूल आयु के बच्चे (3 वर्ष और उससे अधिक)

- टीवी या संगीत की आवाज़ बहुत अधिक बढ़ा देते हैं।
- मौखिक निर्देशों का पालन करने में परेशानी होती है।
- बार-बार "क्या?" या "क्या आप फिर से कह सकते हैं?" पूछते हैं।
- शैक्षिक प्रदर्शन में कमी या कक्षा में ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई होती है।
- सामाजिक बातचीत से बचते हैं या जल्दी निराश हो जाते हैं।

ईएनटी विशेषज्ञ बच्चों में सुनने की हानि का पता कैसे लगाते हैं?

प्रारंभिक निदान प्रभावी उपचार के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

सामान्य निदान परीक्षणों में शामिल हैं:

- **नवजात सुनने की जांच:** यह परीक्षण जन्म के तुरंत बाद किया जाता है।
- **ऑडिटरी ब्रेनस्टेम रिस्पांस (ABR):** यह श्रवण तंत्रिका की ध्वनि पर प्रतिक्रिया को मापता है।
- **ओटोएकॉस्टिक एमिशन(OAE):** यह आंतरिक कान की कार्यक्षमता की जांच करता है।
- **व्यवहारिक परीक्षण:** बड़े बच्चों के लिए, जैसे 6-36 महीने के बच्चों में दृश्य सुदृढीकरण श्रवण परीक्षण (VRA) या 24-60 महीने के बच्चों में कंडीशन प्ले ऑडियोमेट्री का उपयोग किया जाता है।

बच्चों में सुनने की हानि का प्रबंधन कैसे किया जा सकता है?

- **हियरिंग एड्स:** यह ध्वनि को बढ़ाकर बेहतर श्रवण में मदद करते हैं।
- **कोक्लियर इम्प्लांट्स:** यह उपकरण गंभीर मामलों में कान के क्षतिग्रस्त हिस्सों को बायपास करने के लिए उपयोग किए जाते हैं।
- **भाषा और भाषण चिकित्सा:** यह संचार कौशल को विकसित करने में मदद करती है।
- **शैक्षिक समर्थन:** इसमें विशेष सीटिंग व्यवस्था, कक्षा में सहायक उपकरण, और अनुकूलित शिक्षा कार्यक्रम शामिल होते हैं।

बच्चों में सुनने की हानि को कैसे रोका जा सकता है?

- ईएनटी डॉक्टरों से नियमित रूप से जांच करवाएं और यदि सुनने की हानि के कोई संकेत दिखें, तो तुरंत ध्यान दें।
- समय पर टीकाकरण करवाएं (जैसे खसरा, कर्णमूल, और रूबेला)।
- तेज़ आवाज़ों से बच्चे की सुरक्षा करें।
- गर्भावस्था के दौरान माँ के संक्रमण का समय पर इलाज करवाएं।

यदि आपके बच्चे को सुनने की हानि है, तो माता-पिता को इसे बेहतर तरीके से कैसे संभालना चाहिए?

- ईएनटी विशेषज्ञों, श्रवण चिकित्सकों, भाषण चिकित्सकों और शैक्षिक विशेषज्ञों के साथ नियमित अपॉइंटमेंट और बातचीत करें।
- घर और स्कूल में सहायक माहौल सुनिश्चित करें।
- अगर आवश्यक हो तो संचार विधियां जैसे संकेत भाषा या होंठ पढ़ने का अभ्यास करें।
- सहायक उपकरणों का उपयोग करें, जैसे क्लोज़्ड कैप्शन वाले टीवी और कंपन करने वाली अलार्म घड़ियां।

#हरबच्चासुनेगा

क्या आप कान, नाक और गले से संबंधित चिकित्सा स्थितियों के बारे में अधिक जानना चाहते हैं?

हमारे YouTube चैनल पर जाएं

ent health

Patient Education Videos

QR कोड स्कैन करें

NATIONAL HEARING WEEK

3rd-9th MARCH 2025

हमारी वेबसाइट पर जाएं

www.nationalhearingweek.org

*Data Source – WHO & **Pediatric Hearing Loss** Lilia Dimitrov, William Gossman, Author Information and Affiliations Last Update: June 2, 2023.

An Initiative by

MATANAND Welfare Foundation

Issued in public interest by

Entod Pharmaceuticals Ltd

Ashirwad Building, Opp. Badi Masjid, S.V. Road,
Bandra (W), Mumbai - 400050, INDIA
Email: contact@entodpharma.com • www.entodpharma.com

Intended for use by registered medical practitioners only 25/02/10